class 11th
sub hindi
date 29/4/20
learn and write in fair notebook

पाठ्यपुस्तक (आरोह भाग–1) के प्रश्नोत्तर

पद के साथ

1 कबीर की दृष्टि में ईश्वर एक है। इसके समर्थन में उन्होंने क्या तर्क दिए हैं?

उत्तर *कबीर ने ईश्वर को एक मानते हुए निम्नलिखित तर्क दिए हैं*

(*i*) उनके अनुसार वायु, जल एवं ज्योति के समान ईश्वर एक है।

(*ii*) संपूर्ण जगत् एक ही ज्योति अर्थात् परमात्मा से ज्योतिर्मय है।

(*iii*) परमात्मा उस अग्नि के समान है, जो लकड़ी में विद्यमान रहती है और जिस प्रकार लकड़ी के काटने पर भी अग्नि नहीं कटती उसी प्रकार परमात्मा अनश्वर है और वह कण-कण में विद्यमान है।

(*iv*) कुम्हार एक ही मिट्टी से बहुत से बर्तन बनाता है, जिस प्रकार बर्तन भिन्न-भिन्न प्रकार के होते हैं, उसी प्रकार प्रभु एक ही है और वह विभिन्न प्रकार के मनुष्यों की रचना करता है। केवल अज्ञानी व्यक्ति ही भिन्न प्रकार के ईश्वर के रूपों का वर्णन करता है।

2 मानव शरीर का निर्माण किन पंच तत्त्वों से हुआ है?

उत्तर मानव शरीर का निर्माण अग्नि, वायु, जल, भूमि एवं आकाश इन पाँच तत्त्वों से मिलकर हुआ है।

3 जैसे बाढ़ी काष्ट ही काटै, अगिनी न काटै कोई
सब घटि अंतरि तूँही व्यापक धरै सरूपै सोई।

इसके आधार पर बताइए कि कबीर की दृष्टि में ईश्वर का क्या स्वरूप है?

उत्तर प्रस्तुत काव्य पंक्तियों में स्पष्ट किया गया है कि ईश्वर सर्वव्यापक है। जगत् के कण-कण में विद्यमान है। संपूर्ण जगत् में उसका अस्तित्व भी उसी प्रकार है, जैसे लकड़ी के अंदर अग्नि का निवास होता है। जिस प्रकार लकड़ी को काट दिए जाने पर भी उसमें निहित अग्नि नष्ट नहीं होती, उसी प्रकार ईश्वर भी आत्मा के रूप में मनुष्य के शरीर में रहता है। शरीर नश्वर है, लेकिन उसमें रहने वाली आत्मा अजर-अमर है।

4 कबीर ने अपने को दीवाना क्यों कहा है?

उत्तर कबीर स्वयं मिथ्या जगत् से दूर रहकर प्रभु की भक्ति में डूब गए हैं। जब कोई किसी के प्रेम में लीन हो जाता है, तो वह दीवाना ही कहलाता है, उसी प्रकार कबीर भी परमात्मा के सच्चे साधक होकर सांसारिक मोह-माया से दूर हो गए और निर्भय होकर प्रभु भक्ति में लीन होने के कारण स्वयं को दीवाना मानते हैं।